विज्ञान एवं अध्यात्म का संगम–राशि वाटिका

झांसी 10 नवम्बर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज राशि वाटिका की स्थापना पौधरोपण करके की गई। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. अरूणाचलम ने कहा कि मानव कल्याण के लिए वेदों में पर्यावरण के संतुलन एवं अध्यात्मिक समावेश के लिए राशि वृक्षों का विधिवत् उल्लेख किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुये जन–कल्याण हेतु राशि वाटिका की स्थापना की गई है। प्रत्येक राशि की अपनी प्रतिनिधि वृक्ष प्रजाति होती है जैसे – मेष–आँवला, वृषभ–जामुन, मिथुन–खैर, कर्क–पीपल, सिंह–पलाश, कन्या–बेल, तुला–अर्जुन, वृश्चिक–सेमल, धनु–कटहल, मकर–खेजड़ी, कुम्भ–कदम, मीन–आम। जिनको की नीचे सारणी के माध्यम से भी प्रस्तुत किया गया है।

राशि	वृक्ष प्रजाति
मेष	आँवला
वृषभ	जामुन
मिथुन	खैर
कर्क	पीपल
सिंह	पलाश
कन्या	बेल
तुला	अर्जुन
वृश्चिक	सेमल
धनु	कटहल
मकर	खेजड़ी
कुम्भ	कदम
मीन	आम

संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आज बारह विशिष्ट वृक्षों का राशि वाटिका में पौधरोपण किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम के अनुसार राशि वाटिका की स्थापना से संस्थान से जुड़े व्यक्तियों के जीवन और जीवन शैली को सक्रीय करने में मदद मिलेगी और मानवीय तरीके से कर्तव्यों का निर्वाह्न होगा। राशि वृक्षा रोपण का अन्तिम उद्देश्य मानव तथा पेड़ों के बीच नैतिक संबंध बनाना है, जिससे धरती माँ को आने वाली पीढ़ियों के लिए रहने योग्य बनाकर पर्यावरण की रक्षा की जा सके। उन्होंने झाँसी की जनता एवं क्षेत्र के किसान भाईयों को संस्थान में नव स्थापित राशि वाटिका में आकर अवलोकन एवं लाभ प्राप्त करने के लिए आह्वान किया।

कार्यक्रम का समन्यवन डॉ. सुरेश रमणन एस. एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने किया।

राशि वाटिका
Zodiac Plantation

राशि वाटिका
Zodiac Plantation